सरस्वती शिशु मंदिर, बिहार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद

पाठ्यक्रम

सत्र : 2025-26

कक्षा : द्वितीय

वीर बलिदानी जोरावर सिंह एवं फतेह सिंह

प्रकाशक

लोक शिक्षा समिति, बिहार

एम्बेस्सडर पैलेस, कलमबाग चौक, मुजफ्फरपुर-842001

विद्या भारती द्वारा निर्धारित संस्कृत गीत-2025-26

जय महामङ्गले जय सदा वत्सले ।
देवि परमोज्जवले भरत-भू-रूपिणि ।।

हिमगिरि-किरीटिनी सुर-तटिनी-मालिनी ।
जलधि-वलयाङ्किते जय जगन्मोहिनी ।। 1 ।।

भ्रमपटल-हारिणी दुर्मोह-विध्वंसिनी ।
जय सदा शारदे बुद्धि-बल-दायिनी ।।2।।

अखिल-खल-मर्दिनी सुजन-बल-वर्धिनी ।
जय समर चण्डिके रौद्र-तनु-धारिणी ।।3।।

सत्य-सावित्री जय पुण्य-गायत्री जय ।
विमल-सुख-धात्री जय दिव्य-तेजस्विनी ।।4।।

वीरवर-सेविते योगिजन-चिन्तिते
देवगण-वन्दिते विश्वहित-कारिणी

हमारी संकल्पना

हमें ऐसे बालकों का निर्माण करना है
जिनके चेहरे पर आभा,
शरीर में बल,
मन में प्रचंड इच्छा शक्ति,
बुद्धि में पांडित्य,
जीवन में स्वावलंबन,
हृदय में शिवा, प्रताप, ध्रुव, प्रह्लाद की
जीवन गाथाएँ अंकित हों और
जिन्हें देखकर
महापुरुषों की स्मृतियाँ झंकृत हो उठे।

पाठ्य पुस्तकों की सूची

1.	बाल भारती- भाग-2	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
	हिन्दी सुलेख माला, भाग-3	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
2.	गणित माला, भाग-2	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
	Prachi Mathematics, Part-2	Prachi [India] Pvt. Ltd. N.Delhi
3.	Creative Eng. Reader, Book-2	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
	English Conversation, Book-II	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
	English Writing Copy, Part-II	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
4.	देववाणी संस्कृतम्, द्वितीय सर्ग	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
5.	रामायण की कथाएँ	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
6.	ज्ञान भारती, भाग-2	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
7.	कला पूजन, भाग-3	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
8.	My Computer, Vol-II	Vidya Mandir Prakashan, Patna-4
9.	वंदना	विद्या मंदिर प्रकाशन, पटना-4
10.	गृहकार्य निर्देशिका	सर्व शिक्षा सेवा न्यास, बिहार
11.	कॉपी	सर्व शिक्षा सेवा न्यास, बिहार

पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश

नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 के निमित्त यह पाठ्यक्रम संप्रेषित है। इसके आधार पर आप अपने भैया-बहनों को उचित रीति से अध्ययन/अध्यापन एवं मार्गदर्शन कर पूर्णरूपेण लाभान्वित होंगे।

- पूरे सत्र में कक्षा अरुण से पंचम की दो परीक्षाएँ- Term-I (अर्द्धवार्षिक) एवं Term-II (वार्षिक) ली जाएँगी।
- कक्षा अरुण एवं उदय के प्रत्येक विषय की लिखित या मौखिक परीक्षा का पूर्णांक 100 होगा।
- कक्षा प्रथम से पंचम तक के प्रत्येक विषय की लिखित परीक्षा 80-80 अंकों की होगी। 20-20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन- आवधिक मूल्यांकन (Periodic Assessment) के रूप में होगा।
- प्रथम से लेकर पंचम तक की कक्षाओं में संपूर्ण सत्र में दो आवधिक मूल्यांकन (Periodic Assessments) होंगे, जो लिखित परीक्षा के पूर्व लिए जाएँगे।
- 20 अंक के तीन भाग होंगे। पहला- 10 अंकों का Periodic Test होगा- जिसमें घोषित कार्यक्रम तक संपन्न पाठ्यक्रम को शामिल किया जाएगा। दूसरा- 05 अंक- अभ्यास पुस्तिका का मूल्यांकन (Note Book Assessment) के आधार पर देय है, जिसके अंतर्गत कार्य की नियमितता, सौंपे गए कार्य का निष्पादन तथा पुस्तिकाओं की स्वच्छता व रख-रखाव का मूल्यांकन होगा और तीसरा- 05 अंक- विषयों के प्रति भैया-बहनों की अभिरुचि और समझ के लिए दिए जाएँगे। इसमें विषय-संवर्धन (Subject Enrichment) के अंतर्गत भाषा में वाचन एवं श्रवण-कौशल का मूल्यांकन। गणित में पहाड़ा (Table), मानसिक गणित {Mental Maths}, कक्षा स्तर के अनुरूप गणित के सामान्य प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन होगा। विज्ञान में वैज्ञानिक कुशलता का विकास, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, जीवन की व्यवस्थितता तथा विज्ञान संबंधी सामान्य तथ्यों व प्रश्नों के आधार पर मूल्यांकन होगा। स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो एवं शारीरिक क्षमता के अनुरूप अन्य खेल, योग-

व्यायाम एवं अंगों के संचालन संबंधी क्रियाओं तथा अनुशासन का मूल्यांकन होगा।

- आंतरिक मूल्यांकन के 20 अंकों में प्राप्त अंक बाद में लिखित परीक्षा के 80 अंकों में प्राप्त अंक के साथ जोड़े जाएँगे। इस प्रकार परीक्षा का परिणाम 100 अंकों पर घोषित किया जाएगा।
- Term-II (वार्षिक) में 80 अंकों की लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से होगा- कक्षा प्रथम से पंचम तक की वार्षिक (Term-II) परीक्षा में अर्द्धवार्षिक (Term-I) के पाठ्यक्रम से 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न तथा वार्षिक (Term-II) के पाठ्यक्रम से 80 प्रतिशत अंक के प्रश्न रहेंगे। अर्थात् Term-I से 16 अंकों के प्रश्न और Term-II से 64 अंकों के प्रश्न होंगे।
- निर्धारित पाठ्यक्रम में अंकित प्रश्नों के अतिरिक्त पाठ (अध्याय) के अंदर से भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं। इसके लिए संपूर्ण पाठ्यक्रम का समुचित अध्ययन करना उत्तम रहेगा।
- कक्षा अरुण से पंचम तक के प्रत्येक विषय की परीक्षा के लिए परीक्षावधि 2 घंटे की होगी। तथा शारीरिक शिक्षा एवं संगणक के लिए परीक्षावधि 1:30 घंटे की रहेगी।
- बालकों के प्रतिभा विकास के लिए हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी इत्यादि भाषाओं में वाचन, लेखन, भावाभिव्यक्ति इत्यादि पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।
- गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, संगणक इत्यादि में प्रायोगिक कार्य [Practical Work] एवं परियोजना कार्य [Project Work] को प्राथमिकता प्रदान करते हुए तदनुरूप अध्यापन करना चाहिए ताकि भैया-बहनों का संज्ञानात्मक, बोधात्मक एवं कौशलात्मक विकास हो सके।
- हिन्दी एवं अंग्रेजी विषय में प्रदत्त पत्र-लेखन और निबंध के पाठ्यक्रम के अलावे भी अन्य विभिन्न विषयों पर निबंध एवं पत्र इत्यादि का अभ्यास कराना श्रेयस्कर होगा।
- आचार्य बंधु/भगिनी से अपेक्षा है कि भैया-बहनों को केवल अभ्यास माला [Exercise] से ही प्रश्नों का अभ्यास न करावें अपितु पाठ के मध्य से भी प्रश्न निर्माण कर उनका अभ्यास करावें तथा उन्हें स्वयं भी ऐसा करने हेतु प्रोत्साहित करें।
- हमें संबंधित पाठ के बीच से भी प्रश्न निर्माण कर भैया-बहनों के ज्ञान, बोध एवं कौशल विकास की जाँच समय-समय पर करनी चाहिए तथा पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाना चाहिए।

हिन्दी

आचार्यों के लिए निर्देश

पाठ्य-पुस्तक के विषय के अनुरूप ही जरा हट कर भी हम आवश्यकतानुसार कुछ अतिरिक्त ज्ञानवर्द्धक जानकारियाँ भैया-बहनों को दे सकते हैं, इससे भैया-बहन की मेधा परिष्कृत होगी। भैया-बहन विकासशील रहते हुए विकसित हो जायेंगे।

भैया-बहनों के लिए निर्देश

सभी विषयों के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को ज्यादा-से-ज्यादा हल करें। आप हमेशा अपना तुलनात्मक मूल्यांकन करें। प्रथम, द्वितीय के भैया-बहन अपना मूल्यांकन स्वयं नहीं कर सकते हैं इसलिए उनका मूल्यांकन माता-पिता, आचार्य कर सकते हैं। इससे उनका क्रमिक एवं सम्यक् विकास होगा।

माता-पिता के लिए निर्देश

माता-पिता एवं अभिभावक भी अपने शिशुओं की क्रमिक प्रगति के प्रति सजग रहें। उनका मूल्यांकन करते रहें। उन्हें उचित और प्रत्यक्ष संबल एवं सहयोग प्रदान करें ताकि उनका अपेक्षित एवं सम्यक् विकास हो सके।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

निर्देश– सभी मात्राओं की स्पष्ट जानकारी और उनका शुद्ध उच्चारण कराना। संयुक्त वर्णों की जानकारी देना। पाठ वाचन शुद्ध-शुद्ध करवाना। वर्णों की मौलिक आकृति बताकर सुलेख कराना। अनुस्वार, हलन्त की जानकारी देना। श्रुतलेख कराना। उक्त कार्य कराकर निरीक्षण करना। अच्छी लिखावट अच्छे ज्ञान का परिचायक होता है। अत: आचार्य बंधु/भगिनी भैया-बहनों की कॉपियों को सुलेख में लिखवायें। प्रत्येक मूल्यांकन से पूर्व यूनिट जाँच ले सकते हैं।

अप्रैल

बाल-भारती : **पाठ-1**-'धरती माता' का सस्वर पाठ करवाना और अभ्यास कार्य। **पाठ-2**-'अपनी भाषा' **पाठ-3**-'सब माँ हैं'- इन पाठों का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य करवाना।

व्याकरण : मात्रा का पूर्ण ज्ञान कराना। संयुक्त वर्ण बताना एवं निरीक्षण करना।

सुलेख : पृष्ठ-1 से 9 तक दो पंक्तियों में तथा मौलिक आकृति में लिखने का अभ्यास कराना।

मई+जून

बाल-भारती : **पाठ-4**-श्रवण कुमार **पाठ-5**-गौतम बुद्ध **पाठ-6**-बाग लगाएँ (कंठस्थ करायें) **पाठ-7**-हमारे देवता- इन पाठों का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य करवाना।

व्याकरण : वाक्य बनाने का अभ्यास कराना। शब्दों का लिंग-निर्णय कराना। इकारांत एवं ईकारांत की जानकारी देना।

लेख : मेरा विद्यालय।

सुलेख : पृष्ठ-10 से 15 तक मूलाकृति में लिखाना

निर्देश : अध्यापन के दौरान भैया-बहनों की लिखावट की स्पष्टता एवं मौलिकता पर भी आचार्य बंधु/भगिनी ध्यान देंगे।

जुलाई

बाल-भारती : **पाठ-8**-अभिमन्यु **पाठ-9**-बोपदेव **पाठ-10**-हमारे सात दिन **पाठ-11**-दीपावली- इन सभी पाठों का अध्यापन कराना एवं अभ्यास कार्य करवाना, कविता को कंठस्थ कराना एवं सुनना।

व्याकरण : तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज की परिभाषा बताना एवं शब्द-सूची बनाना।

लेख : वर्षा ऋतु

सुलेख : पृष्ठ-16 से 20 तक लिखाना

निर्देश : सप्ताह में एक दिन श्रुतलेख तथा पाठ का वाचन कराना।

अगस्त

बाल-भारती : **पाठ-12**-सूर्य **पाठ-13**-खुदीराम बोस **पाठ-14**-गुरुपुत्र- इन पाठों का अध्यापन करना, वाचन एवं अभ्यास कार्य करवाना।

व्याकरण : श, ष, स, र, ड़, ढ, ढ़, ऋ, श्र वर्ण का सही उच्चारण बताना एवं लिखाना। वाक्य प्रयोग द्वारा लिंग-निर्णय। क्ष, त्र, ज्ञ का वर्ण-विच्छेद बताना। 'क्ष' का सही उच्चारण बताना।

लेख : स्वतंत्रता दिवस।

सुलेख : पृष्ठ-21 से 25 तक लिखाना

सितंबर *अर्द्धवार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास।*

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

बाल-भारती : **पाठ-15**-अपनी पतंग- सस्वर पाठ कंठस्थ एवं अभ्यास कार्य कराना। **पाठ-16**-खेलकूद का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य कराना।

व्याकरण : संज्ञा तथा वाक्य की परिभाषा बताना।

लेख : दुर्गापूजा।

सुलेख : पृष्ठ-27 का अभ्यास कराना।

नवंबर

बाल-भारती : **पाठ-17**-शेर, हाथी और मेंढ़क **पाठ-18**-साहसी बालक **पाठ-19**-दो भाई **पाठ-20**-ऋतु आए, ऋतु जाए–का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य कराना। कविता को कंठस्थ कराना एवं सुनना।

व्याकरण : वाक्य रचना एवं संयुक्त वर्ण बताना।

लेख : दीपावली।

निर्देश : वार्तालाप में वर्णों का शुद्ध उच्चारण करवाना। लिंग और वचन संबंधी अभ्यास कराना। शुद्ध उच्चारण करवाने हेतु कोई कहानी सुनाने के लिए कहना।

दिसंबर

बाल-भारती : **पाठ-21**-हमारा देश **पाठ-22**-अरुणा का रूमाल **पाठ-23**- समझदार बंदर **पाठ-24**-सब सीखें (कविता) इन सभी पाठों का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य कराना। कविता को कंठस्थ कराना एवं सुनना।

व्याकरण : वाक्य में कर्त्ता, कर्म और क्रिया पदों की अलग-अलग पहचान कराना।

लेख : हमारा देश।

सुलेख : पृष्ठ-31 से 33 तक का अभ्यास कराना

जनवरी

बाल-भारती : **पाठ-25**-तेनालीराम की कथा **पाठ-26**-अजय की सुबह– इन पाठों का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य करवाना।

व्याकरण : वाक्य के द्वारा संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रियापद की पहचान कराना। 'पर्यायवाची' शब्दों की पर्याप्त जानकारी देना, याद कराना एवं सुनना।

लेख : गणतंत्र दिवस।

सुलेख : पृष्ठ-34 से 36 तक का अभ्यास कराना।

फरवरी+मार्च

बाल-भारती : **पाठ-27**-हिमालय- अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य करवाना। कविता को कंठस्थ कराना एवं सुनना। पुस्तक के अंत में दिए गए **'थोड़ा और अभ्यास'**- का अध्यापन करना एवं अभ्यास कार्य करवाना।

व्याकरण : मुहावरे को अर्थ सहित याद कराना एवं सुनना। तत्सम, तद्भव, देशज एवं विदेशज शब्दों का अंतर बताना तथा अभ्यास कराना।

लेख : सरस्वती पूजा।

वार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास कराना।

संस्कृत

निर्देशाः आचार्याणां कृते

1. सत्रारम्भे एव सम्भाषण-शिविरस्य आयोजनं भवेत्।
2. कक्षायां प्रसन्नमुद्रायां प्रविश्य छात्राणां कुशलतां प्रष्टव्या।
3. कक्षायां संस्कृत-शब्दानां प्रयोगः करणीयः।
4. प्रश्नोत्तर-विधिना शिक्षणं करणीयम्।
5. कक्षायां प्रेरक-प्रसङ्गः, लघुकथा, श्लोकवाचनं यदा-कदा करणीयम्।
6. संस्कृतेन शिशु-सभा प्रतियोगिता च करणीया।
7. कालांशस्य प्रारम्भे मङ्गलाचरणस्य सामूहिकं सस्वरगानं भवेत्।
8. पाठानुरूपाभिनयेन पाठस्य प्रस्तुतिकरणं भवेत्।

9. पाठाधारितं सह-पाठ्यसामग्रीणां (चित्राणि, वस्तूनि, शब्द फलकानि) संग्रहणं करणीयम्।
10. श्रवणं, भाषणं, पठनं, लेखन, चेति, एतेन क्रमेण भाषापाठः करणीयः।
11. प्रत्येकः पाठः आचार्येण प्रथमं मौखिकरूपेण उपस्थापनीयः।

निर्देशाः छात्राणां कृते

1. छात्राः संस्कृतस्य अध्ययनं रुचिपूर्वकं कुर्युः।
2. छात्राणां मध्ये संस्कृतभाषया सम्भाषणं करणीयम्।
3. व्याकरणस्य अपि सम्यक् ज्ञानं भवेत्।
4. अन्या संस्कृतपत्रिका अपि पठनीया।
5. कक्षायां नीतिप्रदाः श्लोकाः, सुभाषितानि च स्थापनीयानि।
6. संस्कृत प्रतियोगितायां शिशुसभायां च सहभागिता भवेत्।

निर्देशाः अभिभावकानां कृते

1. संस्कृतसम्भाषणं प्रति स्वपुत्रान् प्रेरयतु।
2. संस्कृतग्रन्थस्य अध्ययनं प्रति प्रेरणीयम्।
3. संस्कृतपत्रिका गृहे आगच्छेत्।
4. बालकः सद्वाक्यानि, वस्तूनां नामानि संस्कृते लिखित्वा भित्तौ स्थापयेत्।

अर्द्धवार्षिकी परीक्षाः

अप्रैल 'वंदना' पाठस्य सस्वरवाचनं, रटनाभ्यासः अनन्तरं लेखनकार्यम्।

प्रथमः पाठः – 'संज्ञा-पदानि' अस्मिन् पाठे प्रथमं चित्रदर्शनम् अनन्तरं नामानि वदनीयानि। लिङ्गज्ञानं अपि करणीयम्।

वंदना – प्रातः स्मरणम्, संस्कृत वन्दना अनयोः अभ्यासः।

मई

द्वितीयः पाठः – 'क्रिया-पदानि' अस्मिन् पाठे क्रियापदस्य ज्ञानम् अभिनय माध्यमेन भवेत्। कः किं करोति? इति प्रष्टव्यः।

व्याकरणम् – 'अस्' धातोः लट् लकारे लेखनं, स्मरणं अभ्यासः च।

तृतीयः पाठः – 'सर्वनाम पदानि' एषः/एषा/एतत्/कः/का/किम् एतस्य पाठस्य अध्यापनं प्रश्नोत्तरं अभिनय माध्यमेन भवेत्। छात्रस्य समीपे गत्वा प्रश्नाः प्रष्टव्याः।

व्याकरणम् – 'पठ्' धातोः लट् लकारे लेखनं, स्मरणं अभ्यासः च।

वंदना – भोजनमन्त्रः, अप्रैल मासस्य वंदना भागस्य पुनराभ्यासः।

जून

चतुर्थः पाठः – सः, सा, तत् इति सर्वनाम पदानां प्रयोगः अपि अभिनयेन करणीयः। दूरे वस्तूनि दर्शयित्वा प्रश्नः करणीयः।

वंदना – एकात्मतास्तोत्रम्- एकतः पञ्चश्लोकपर्यन्तं, गीतासारस्य एकतः पञ्चश्लोकपर्यन्तं सस्वर उच्चारणं, स्मरणाभ्यासः लेखनं च।

जुलाई

पञ्चमः पाठः – अस्ति/नास्ति/अत्र/तत्र/कुत्र/सर्वत्र अस्मिन् पाठे अव्यय पदस्य प्रयोगः चित्राणि, वस्तूनि वा दर्शयित्वा करणीयः।

षष्ठः पाठः – सर्वनाम, अहं/भवान्/भवती/पठामि/लिखामि क्रिया-पदस्य प्रयोगः। प्रथमं अहं कः? अहं किं करोमि? इति वक्तव्यम्। अनन्तरं प्रश्नः प्रष्टव्यः।

व्याकरणम् – 'पठ्' धातोः लट् लकारे वाचनं, लेखनाभ्यासः।

वंदना – 'वन्देमातरम्' अस्य सस्वर उच्चारणम् भवेत्।

अगस्त

सप्तमः पाठः – 'अक्षरमाला' इति गीतस्य अभ्यासः करणीयः। प्रथमं आचार्यः वदेत् अनन्तरं छात्राः वदेयुः।

अष्टमः पाठः – (प्रथमः भागः केवलम्) मम/भवतः/भवत्याः परिचयः अभिनयमाध्यमेन भवेत्। सर्वप्रथमं स्वपरिचयं भवेत् अनन्तरम् अपरस्य परिचयं भवेत्। पश्चात् वाक्यप्रयोगः करणीयः।

व्याकरणम् – 'गम्' धातोः रूपाणि लट् लकारे वाचन, लेखनाभ्यासः।

वंदना – एकात्मतास्तोत्रम्- षष्ठतः दशश्लोकपर्यन्तं। गीता- सारस्य- षष्ठतः दशश्लोकपर्यन्तं सस्वर उच्चारणं, वाचनं, स्मरणाभ्यासः लेखनम् च।

सितंबर

अष्टमः पाठः – (द्वितीयः भागः केवलम्) एतस्य/तस्य/कस्य/एतस्याः परिचयः अभिनयमाध्यमेन भवेत्। सर्वप्रथमं स्वपरिचयं अनन्तरम् अपरस्य परिचयं भवेत्। सर्वप्रथमं पात्र परिचयः अपि भवेत् पश्चात् वाक्य प्रयोगः करणीयः।

वंदना – 'वन्देमातरम्' अस्य पुनः सस्वरं उच्चारणाभ्यासः भवेत्।

अर्द्धवार्षिकी परीक्षाः हेतुः समस्त पाठानां पुनराभ्यासः।

वार्षिकी परीक्षाः

अक्टूबर

अष्टमः पाठः – (तृतीयः भागः केवलम्) रामस्य/सीतायाः/परिचयः अभिनयमाध्यमेन भवेत्। सर्वप्रथमं स्वपरिचयं अनन्तरम् अपरस्य परिचयं भवेत्। तृतीये भागे पात्र परिचयः अपि भवेत् पश्चात् वाक्य प्रयोगः करणीयः।

नवमः पाठः – 'मम शरीरम्' इति पाठस्य अध्यापनम् अभिनयमाध्येन भवेत्। प्रथमं अङ्गस्पर्शं कृत्वा नामानि वदेत् अनन्तरं छात्राः अपि नामानि वदेयुः। कक्षायां अङ्गस्पर्शक्रीडा अपि कर्तुं शक्यते।

वंदना – सुभाषितानि-एकतः पञ्चश्लोकपर्यन्तं उच्चारणाभ्यासः स्मरणं च।

नवंबर

दशमः पाठः – 'मित्र-संभाषणम्' इति पाठस्य अध्यापनं अभिनय- माध्यमेन भवेत्। द्वयोः छात्रयोः मध्ये संभाषणं कारयेत्।

एकादशःपाठः – 'बहुवचन-प्रयोगः'- चित्राणि, वस्तूनि वा दर्शयित्वा वाक्यनिर्माणं कारणीयः। एकवचनस्य प्रयोगः अपि करणीय येन वाक्यभिन्नता स्पष्टं भवेत्।

वंदना – 'सुभाषितानि' षष्ठतः दशश्लोकपर्यन्तं सस्वर उच्चारणाभ्यासः स्मरणं च।

दिसंबर

द्वादशः पाठः – वयम/भवन्तः/भवत्यः 'बहुवचन-प्रयोगः' अभिनयेन वाक्यमाध्यमेन च अवबोधनं भवेत्। प्रथमं स्वविषये वक्तव्यम् अनन्तरं प्रश्नः करणीयः।

त्रयोदशः पाठः – 'सङ्ख्याः' इति पाठस्य अध्यापनम्। गणनायाः उच्चारणं स्मरणाभ्यासः च। वाक्ये संख्यानां प्रयोगः करणीयः।

वंदना – 'सुभाषितानि' प्रथमतः पञ्चश्लोकं यावत् उच्चारणाभ्यासः स्मरणं च।

जनवरी

चतुर्दशः पाठः – 'काकस्य बुद्धिमत्ता' इति कथायाः अध्यापनम्। प्रथमं मौखिक रूपेण कथा उपस्थापनीयः। कथायाः अनुवाचनमपि आवश्यकम्।

वंदना – 'सुभाषितानि' षष्ठतः दशश्लोकपर्यन्तं उच्चारणं स्मरणं च। एकतामंत्रस्य सस्वर वाचनं उच्चारणाभ्यासः च।

क्रियाकलापः – कक्षायां सुभाषितानि लिखित्वा भित्तौ स्थापनीयानि।

फरवरी+मार्च

पञ्चदशः पाठः– 'सुभाषितानि' इति पाठस्य अध्यापनम्। श्लोकानाम् सस्वरवाचनम् स्मरणाभ्यासः च।

परिशिष्टम् – क्रियापदानां अर्थं कण्ठस्थं भवेत् इति प्रयासः करणीयः। शब्दकोषः, एकवचनम्-बहुवचनम्, सङ्ख्यापाठः उच्चारणाभ्यासः, स्मरणादिकार्यं इत्यादीनां च।

वार्षिकी परीक्षा: हेतुः समस्त पाठानां पुनराभ्यासः, प्रश्नोत्तर कार्यादिकम् अपि कारयेत।

ENGLISH

Instruction for Teachers

1. A Teacher should try to increase the capacity of a student in reading and writing both.
2. Each and every word should be pronunced correctly.
3. Teacher must speak English in English Classes.
4. Teacher should use proper actions to express every word and sentence with proper sound effect.
5. Proper teaching aids must be used by the teacher.
6. While teaching poems actions and proper pronunciation is must.
7. Teachers should select some passages for comprehension practice from the prescribed book.

Instruction for Guardians

1. Guardians should help the children read the lessons correctly. English words and some English sentences should be used at home.
2. Help the children learn the spelling and meaning with the help of a dictionary.
3. Writing work should be improved by giving one page daily.
4. Create English environment at home.
5. Sit with your children at least two hours daily.

Instruction for Students

1. Read the lessons with proper pronunciation.

2. Memorize the spellings and meaning of new words everyday.
3. Write beautifully everyday at least one page.
4. Speaking practice at least one hour daily with your elder.
5. Directions given by the teachers must be followed.

Halfyearly (Term-I) Examination

APRIL

Text book : 1- Thank You God.

Note : Words meaning and all exercises. Reading practice is also necessary.

Conversation : Chapter-1- My Class Room. Comman sentences used in our daily life must be practiced.

Writing.Book : Writing practice should also be done with cursive writing. (Page- 3 & 4)

MAY+JUNE

Text book : 2- My Introduction.3- Mitthu - The Parrot. 4- Is, Am, Are.

Note : Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.

Conversation : Chapter-2- Introduction of Two Girls. Chapter-3- Playing Game. Comman sentences used in our daily life must be practiced.

Writing Book : Writing Practice. (Page- 5 to 9)

JULY

Text book : 5- Chasing. 6- The Clever Jackal. 7- The Father of the Nation.

Note : Words meaning and all exercises. Reading practice of lessons with correct pronunciation and proper sound effect.

Conversation : Chapter-4- Father and Son. Chapter-5- At Lunch. Comman conversation

between father, mother & childrens/families.

Paragraph : Self Introduction. (Maximum 10 lines)

Writing Book : Writing Practice. (Page- 10 to 13)

AUGUST

Text book : **8-** My Mother is a Good Lady. **9-** Learning Manners. **10-** Our Tricolour National Flag.

Note : Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.

Conversation : **Chapter-6-** Aim in Life. **Chapter-7-** The Dairy. Comman short conversation between teacher & students.

Paragraph : The Cow. (Maximum 10 lines)

Writing Book : Writing Practice. (Page- 14 to 17)

Activity Work : Collect some pictures of things used in your book and paste them on the card-board paper.

SEPTEMBER *Revision for Halfyearly Examination.*

Annual (Term-II) Examination

OCTOBER

Text book : **11-** Unity is Strength. **12-** Conversation Between Father and Son.

Note : Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.

Conversation : **Chapter-8-** Time is Precious. **Chapter-10-** My Friends. Comman Conversation practice father, mother with childrens and brother/sisters with brother & sisters.

Writing Book : Writing Practice. (Page- 18)

NOVEMBER

Text book : **13-** 'Was' and 'Were'. **14-** All Things Bright

		and Beautiful. **15-** I Am Stronger.
Note	:	Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.
Conversation	:	**Chapter-9-** Know about Mahatma Gandhi. **Chapter-11-**An Elephant. Comman short conversation between teacher & students.
Writing Book	:	Writing Practice. (Page-19 & 20)
Activity Work	:	Paste the pictures of fruits and vegetables.

DECEMBER

Text book	:	**16-** My School. **17-** Use of Has, Have and Had. **18-** The Cow.
Note	:	Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.
Conversation	:	**Chapter-12-** Yoga & Exercises. **Chapter-14-** Tell the Time. Comman short conversation between teacher & students.
Paragraph	:	The Dog (Maximum 10 lines)
Writing Book	:	Writing Practice. (Page- 21 to 24)

JANUARY

Text book	:	**19-** Brush Your Teeth Everyday.
Note	:	Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.
Conversation	:	**Chapter-13-** Animals. Comman short conversation between teacher & students.
Writing Book	:	Writing Practice. (Page- 25 to 28)

FEB.+MARCH

Text book	:	**20-** Dr. Rajendra Prasad.
Note	:	Words meaning and all exercises. Reading practice of correct pronunciation is necessary.

Conversation	:	**Chapter-15-** Rainy Season. Comman short conversation practice with students about this subject/topic.
Paragraph	:	My School. (Maximum 10 lines)
Writing Book	:	Extra Writing Practice.

Revision for Annual Examination.

गणित

आवश्यक निर्देश

* इसका पूर्णरूपेण अध्यापन अपेक्षित है तथा अध्यापन करते समय पाठ्यक्रम में दिए गए निर्देश अवश्य देख लेंगे।
* गणित के सवाल हल करने में सरलता हो इसलिए गिनती, उलटी गिनती, पहाड़ा, ग्यारहाँ '11 ग्यारहाँ 121...' से '15 ग्यारहाँ 165....' तक बताना, लिखाना एवं याद कराना।

ग्यारहाँ

11 × 11 = 121	12 × 11 = 132	13 × 11 = 143
11 × 12 = 132	12 × 12 = 144	13 × 12 = 156
11 × 13 = 143	12 × 13 = 156	13 × 13 = 169
11 × 14 = 154	12 × 14 = 168	13 × 14 = 182
11 × 15 = 165	12 × 15 = 180	13 × 15 = 195
11 × 16 = 176	12 × 16 = 192	13 × 16 = 208
11 × 17 = 187	12 × 17 = 204	13 × 17 = 221
11 × 18 = 198	12 × 18 = 216	13 × 18 = 234
11 × 19 = 209	12 × 19 = 228	13 × 19 = 247
11 × 20 = 220	12 × 20 = 240	13 × 20 = 260

14 × 11 = 154	15 × 11 = 165
14 × 12 = 168	15 × 12 = 180
14 × 13 = 182	15 × 13 = 195
14 × 14 = 196	15 × 14 = 210
14 × 15 = 210	15 × 15 = 225
14 × 16 = 224	15 × 16 = 240
14 × 17 = 238	15 × 17 = 255
14 × 18 = 252	15 × 18 = 270
14 × 19 = 266	15 × 19 = 285
14 × 20 = 280	15 × 20 = 300

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल

अध्याय-1 – पूर्वाभ्यास। (पृष्ठ-01 से 12)

मई+जून

अध्याय-2 – 100 से 500 तक की संख्या लिखना। (पृष्ठ-13 से 23)

अध्याय-3 – स्थानीय मान। (पृष्ठ-24 से 38)

विशेष – कक्षा प्रथम में सीखे हुए गिनती, उलटी गिनती एवं 2 से 25 तक के पहाड़े का मौखिक एवं लिखित अभ्यास।

जुलाई

अध्याय-4 – सम एवं विषम संख्याएँ। (पृष्ठ-39 से 43)

अध्याय-5 – क्रमवाचक संख्याएँ। (पृष्ठ-44 से 53)

अध्याय-6 – जोड़ का क्रम विनिमेय नियम। (पृष्ठ-54 से 57)

विशेष – इकाई-दहाई से महाशंख तक बोलने एवं लिखने की पद्धति की जानकारी देना।

अगस्त

अध्याय-7 – दो अंकों वाली संख्याओं का जोड़। (पृष्ठ-58 से 63)

अध्याय-8 – हासिल का जोड़। (पृष्ठ-64 से 80)

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-
$11 \times 11 = 121, 11 \times 12 = 132, 11 \times 13 = 143......$

सितंबर

अर्द्धवार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास।

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

अध्याय-9 – घटाव। अध्याय-10– हासिल के घटाव। (पृष्ठ-81 से 94)

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-
$12 \times 11 = 132, 12 \times 12 = 144, 12 \times 13 = 156....$

नवंबर

अध्याय-11– गुणा। अध्याय-12–भाग। अध्याय-13–मुद्रा। (पृ.-95 से 121)

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना–
$13 \times 11 = 143, 13 \times 12 = 156, 13 \times 13 = 169.....$

दिसंबर

अध्याय-14 – लंबाई की माप। (पृष्ठ-122 से 128)

अध्याय-15 – द्रव्यमान की माप। (पृष्ठ-129 से 134)

अध्याय-16 – धारिता की माप। (पृष्ठ-135 से 141)

विशेष – (1) 5 से 20 तक का पहाड़ा लिखना एवं याद करना- (पृष्ठ-155 एवं 156)
(2) ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-
$14 \times 11 = 154, 14 \times 12 = 168, 14 \times 13 = 182.....$

जनवरी

अध्याय-17 – ज्यामितीय। (पृष्ठ-142 से 144)

अध्याय-18 – आँकड़ों की सजावट। (पृष्ठ-145 एवं 146)

विशेष – ग्यारहाँ बताना एवं याद कराना-
$15 \times 11 = 165, 15 \times 12 = 180, 15 \times 13 = 195...$

फरवरी+मार्च

अध्याय-18 – आँकड़ों की सजावट। (पृष्ठ-147 से 151)
अभ्यास पत्र- (पृष्ठ 152 से 154)

१. रंगीन कागज पर बीजगणितीय तादात्म्य को मोटे अक्षरों में लिखें।
२. त्रिविभीय आकृतियों को अलग-अलग ड्राइंग पेपर पर चित्रित कर उन्हें आकर्षक रंगों से रंग करें। ३. अपने घर में स्थित बेलनाकार पात्र का पृष्ठीय क्षेत्रफल एवं आयतन ज्ञात कर, उसे सारणीबद्ध करें।

वार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास।

PRACHI MATHEMATICS

Instruction :-

1. The subject teacher must stress on the students to prepare project work given in the Syllabus.

Note :- Writing, Reading and Memorize Practice of Counting, Table etc from Hindi Medium Maths syllabus.
11 × 11 = 121.... to 15 × 11 = 165.... .

Halfyearly (Term-I) Examination

APRIL
- **Chapter -1** - Revision. (Page.5 to 13)
- **Chapter -2** - Numbers upto one thousand. (Page.14 to 46)
- **Table** - 1 to 20 (Practice)

MAY+JUNE
- **Chapter -3** - Addition. (Page-47 to 59)
- **Chapter -4** - Subtraction. (Page.60 to 69)
- **Test Paper** - I- Based on chapters 1 to 4)
- **Extra** - Table 21 to 25 and Roman Numberals- 1 to 20.

JULY
- **Chapter -5** - Multiplication. (Page.71 to 97)
- **Chapter -6** - Division. (Page.98 to 106)
- **Extra** - Tables 21 to 25 and Reading, writing and memorise practice of table- 11×11=121, 11×12=132, 11×13=143 and Roman numerals- 1 to 20. (Practice)

AUGUST
- **Chapter-7** - Fractional Numbers. (Page.107 to 113)
- **Chapter-8** - Shapes Around Us. (Page.114 to 118)

- **Test Paper** - II- Based on chapters 5 to 8.
- **Test Paper** - III- Based on chapters 1 to 8.
- **Extra** - Reading, writing and memorise practice of table- 11×11=121, 11×12=132, 11×13=143 and Lab Activities-2. (Drawing outline of objects)

SEPTEMBER *Revision for Halfyearly Examination.*

Annual (Term-II) Examination

OCTOBER
- **Chapter-9** - Money. (Page.121 to 129)
- **Extra** - Reading, writing and memorise practice of table- 11×12=132, 12×12-144, 12×13=156

NOVEMBER+DECEMBER
- **Chapter-10** - Measures of Length. (Page.130-133)
- **Chapter-11** - Measures of Weight. (Page.134-136)
- **Chapter-12** - Measures of Capacity. (Page.137-139)
- **Extra** - Test Paper-4 (Based on chapters 9 to 12) Tables 2 to 25 and Reading, writing and memorise practice of table- 13×11=143, 13×12=156, 13×13=169 and Roman numerals.

JANUARY
- **Chapter-13** - Measures of Time. (Page. 141-147) Reading, writing and memorise practice of table- 14×11=154, 14×12-168, 14×13=182 15×11=165, 15×12=180, 15×13=195.
- **Lab Activity-1** - To make a clock and time on it.

Extra - (i) Tables - 1 to 20 (Read, write and memorize practice)
(ii) Roman numerals 1 to 10. (Read, write and memorize practice)

FEBUARY+MARCH

Chapter-14 - Patterns. (Page.148-156)
Chapter-15 - Data Handling. (Page.157-162)
Test Paper - 5 Based on chapters 13 to 15.
Test Paper - 6 Based on chapters 9 to 15.

Revision for Annual Examination.

सामान्य अध्ययन

ज्ञान-भारती-40 अंक + रामायण-40 अंक = कुल 80 अंक

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल-

विशेष : 1. पूर्व कक्षा की पुनरावृत्ति। 2. प्रातः स्मरण याद कराना। 3. भैया-बहन शब्द का प्रयोग।

ज्ञान भारती : पाठ-1- हमारे राष्ट्रीय चिह्न।

रामायण : पाठ-1- राजकुमार राम; पाठ-2- विश्वामित्र की योजना पाठ-3- ताड़का मारी गई।

मई+जून

विशेष : 1. माता-पिता एवं गुरु के प्रति आदरभाव जागृत करना। 2. किसी से कोई वस्तु मिलने पर धन्यवाद कहना।

ज्ञान भारती : पाठ-2- जंगली जानवर। पाठ-3- पालतू जानवर। पाठ-4- हमारे महापुरुष।

रामायण : पाठ-4- राम की वीरता और विवाह; पाठ-5- परशुराम का क्रोध शांत हुआ;

पाठ-6- मंथरा का विष; पाठ-7- वन की ओर।

जुलाई

विशेष : माता-पिता एवं हितचिंतकों के उपकारों के प्रति आभार की अभिव्यक्ति।

ज्ञान भारती : पाठ- 5- स्वतंत्रता सेनानी; पाठ- 6- पौधे के भाग, पौधों को प्रत्यक्ष दिखाकर उनके भाग से परिचित कराना; पाठ-7- सुरक्षा की आदतें।

रामायण : पाठ-8- भरत राम को मनाने पहुँचे। पाठ-9- राक्षसी शूर्पणखा की नाक कटी। पाठ-10-सीता का अपहरण। पाठ-11- शबरी के जूठे बेर। पाठ-12- सुग्रीव से मित्रता

अगस्त

विशेष : सुग्रीव तथा राम की कहानी सुनाना।

ज्ञान भारती : पाठ-8-खेल-कूद। पाठ-9-घर।

रामायण : पाठ-13-सीता की खोज में; पाठ-14-हनुमान ने समुद्र पार किया; पाठ-15-अशोक वाटिका में हनुमान; पाठ-16-लंका-दहन

सितंबर ***अर्द्धवार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास कराना।***

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

ज्ञान भारती : पाठ-10-यातायात के साधन। पाठ-11-संचार के साधन।

रामायण : पाठ-17-विभीषण राम की शरण में। पाठ-18-समुद्र पर पुल बना। पाठ-19-अंगद का पैर

नवंबर

विशेष : जल, विद्युत एवं समय का सदुपयोग करना।

ज्ञान भारती : पाठ-12-संगणक (कम्प्यूटर)।
पाठ-13-मानव निर्मित एवं प्रकृति निर्मित वस्तुएँ

रामायण : पाठ-20-लक्ष्मण मूर्च्छित हो गए।
पाठ-21-हनुमान संजीवनी लाए;
पाठ-22-कुंभकर्ण मारा गया;
पाठ-23-मेघनाद धराशायी हुआ।

दिसंबर

ज्ञान भारती : पाठ-14-बौद्धिक स्तर परीक्षा-(1) पाठ-15-बौद्धिक स्तर परीक्षा-(2); पाठ-16-बौद्धिक स्तर परीक्षा-(3)

रामायण : पाठ-24-रावण का वध; पाठ-25-विभीषण का राजतिलक;
पाठ-26-सीता की अग्नि परीक्षा।
पाठ-27-अयोध्या में राम का राज्याभिषेक।

जनवरी

ज्ञान भारती : पाठ-17-महत्त्वपूर्ण तिथियाँ एवं दिवस।
पाठ-18-भारत के प्रमुख राज्यों की राजधानियाँ।

रामायण : पाठ-28-वीर लव-कुश।

विशेष : रामायण से संबंधित सभी घटनाओं पर क्रमबद्ध चर्चा करना एवं बच्चों से सुनना।

फरवरी+मार्च

ज्ञान भारती : ज्ञान परीक्षण

रामायण : पाठ-29- पुत्रों से पिता की भेंट; पाठ-30- स्वर्गारोहण।

वार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास।

चित्रकला

वर्णनात्मक-20 अंक + चित्र बनाना एवं रंग भरना-60 अंक = कुल 80 अंक

आवश्यक निर्देश

1. कला का ज्ञान देने से पूर्व बच्चों की किताब एवं ड्राइंग कॉपी का निरीक्षण करें।
2. पेंसिल का प्रयोग कैसे करें इसकी जानकारी देना।
3. रंगने के लिए मोम कलर का प्रयोग करना।
4. चित्र बनाने के लिए बायोलॉजी पेपर या कार्डबोर्ड का प्रयोग करना।
5. सप्ताहिक जाँच आवश्यक है।
6. विद्यालय स्तर पर चित्र प्रदर्शिनी लगाना चाहिए।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल ➠ पृष्ठ संख्या-3 एवं 4 का अच्छी तरह अध्ययन कराना। कला में प्रयुक्त आवश्यक सामग्रियों को बताना एवं रंगों का ज्ञान कराना।

मई+जून ➠ पृष्ठ संख्या-5 से 9 तक का अभ्यास कराना। 'वृत्त, वर्ग और त्रिभुज' घड़ा, जोकर, पतंग एवं गुब्बारे' का अभ्यास कराना।

जुलाई ➠ पृष्ठ संख्या-10 से 13 तक। कुआँ, प्रकृति चित्रण, 'कुत्ता एवं बिल्ली' आदि का चित्रण करने का अभ्यास कराना।

अगस्त ➠ पृष्ठ संख्या-14 एवं 15- 'शेर एवं खरगोश' का चित्र दिया गया है। अतः इसका अभ्यास कराना।

प्रोजेक्ट वर्क-1- बायोलॉजी पेपर पर शेर का चित्र बनवाकर रंग भर कर मँगवाना।

सितंबर ***अर्द्धवार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास।***

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर ➠ पृष्ठ संख्या- 16 एवं 17- 'मोर एवं मुर्गा' का चित्र बनाने का अभ्यास कराना।

नवंबर ➠ पृष्ठ संख्या- 18 एवं 19- 'पेड़ एवं उड़ता तोता' का चित्र बनाने का अभ्यास कराना।

दिसंबर ➠ पृष्ठ संख्या-20 एवं 21-विभिन्न पक्षियों का चित्रण कराना।

जनवरी ➠ पृष्ठ संख्या-22 'कठफोड़वा' का चित्र बनाने का अभ्यास कराना।

प्रोजेक्ट वर्क-2- बायोलॉजी पेपर पर सुंदर पक्षी का चित्र और शिमला मिर्च का चित्र बनवाकर रंग भर कर मँगवाना।

फरवरी+मार्च

➠ पृष्ठ संख्या-23-'शिमला मिर्च' एवं पृष्ठ संख्या-24-'अंगूर' बनाने के लिए सिखाया गया है, इसका अभ्यास कराना।

वार्षिक परीक्षा की दृष्टि से पुनराभ्यास कराना।

Book's Name : My Computer, Vol-II

Term-I (Half Yearly)

APRIL

Theory : Chapter-1 Computer & Human

Practical : Go to lab room and see and touch every part of computer

MAY

Theory : Chapter-2 Uses of Computer

Practical : Go to lab room and explain it how to clean the computer by cloth.

Project Work : Draw the figure of computer system in chart paper.

JUNE + JULY

Theory : Chapter-3 IPO

Practical : How to start and shutdown (turn off) the computer.

AUGUST

: Chapter-4 Let's Type

SEPTEMBER

: Revision of all Chapters 1, 2, 3 & 4.

Term-II (Annual)

OCTOBER

Theory : Chapter-5 Clicking & Pointing

Practical : Draw picture of a mouse.

NOVEMBER

Theory : Chapter-6 Draw in Tex Paint

Practical : Draw a different shape and fill the colour in Tux Paint (e.g. Circle, Triangle, square etc.)

DECEMBER

Theory : Chapter-7 Pictures in Tex Paint

Practical : Draw an Indian flag in Tex Paint with proper colour.

MS-Paint (Tool box, draw frame, erase unwanted drawing, fill the colour in shape)

JANUARY

: Revision of all Chapters 5, 6 & 7.

FEBRUARY + MARCH

: Revision of all Previous Chapters Term-I and Term-II.

● ● ●

स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा

आचार्यों के लिये सूचना

1. शारीरिक शिक्षा का अभ्यासक्रम सुचारू रूप से चल सके इस हेतु निश्चित कालांश पूर्व में ही तय कर लिया जाय। कक्षा में- सप्ताह में तीन कालांश।
2. खेल हेतु 'बच्चों के खेल' (विद्या भारती प्रकाशन) पुस्तक का उपयोग किया जा सकता है।
3. भोजन के तुरंत उपरांत कठिन शारीरिक शिक्षा का उपयोग न किया जाय।
4. खेल का मैदान स्वच्छ होना चाहिए।
5. शारीरिक शिक्षा हेतु योग्य साहित्य की व्यवस्था करना।
6. भैया-बहनों की शारीरिक क्षमता की दृष्टि से शारीरिक क्रियायें करायी जाय।
7. शारीरिक क्रियाओं द्वारा उन्हें उल्लासित किया जाय ताकि उनमें थकान न आए।
8. शरीर संचालन के माध्यम से भैया-बहनों में अनुशासन की भावना आए जैसे चलना, बैठना, दौड़ना आदि।
9. बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण प्रत्येक सत्र में अवश्य हो।
10. समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय खेलों के नियम एवं मानकों की जानकारी बच्चों को देते रहना चाहिए।
11. शारीरिक क्षमताओं के आधार पर बच्चों को तीन वर्ग में बाँटना चाहिए :-
    (क) प्रथम से पंचम तक (शिशु वर्ग) (ख) षष्ठ से अष्टम तक (बाल वर्ग)
    (ग) नवम एवं दशम (किशोर वर्ग)
12. शारीरिक शिक्षा का महत्त्व अपने सहकर्मियों व भैया-बहनों को भी समझाना चाहिए।
13. प्रत्येक कक्षा में उनका व्यक्तिगत निरीक्षण अवश्य हो। जैसे- नाखून, बाल, वेश, दाँत आदि।
14. किसी कार्य एवं शारीरिक क्रियाओं को करवाने हेतु पहले बताना, फिर दिखाना बाद में करवाना।
15. किसी भी स्थिति में बहुत देर तक नहीं रखना। कार्य समाप्ति के बाद आरम् एवं स्वस्थ: की आज्ञा देना।
16. इन सारे कार्यों हेतु मैदान होना आवश्यक नहीं है। सुविधा अनुसार कक्षा-कक्ष में भी किया जा सकता है।

17. जहाँ मैदान उपलब्ध है वहाँ 100 मी., गोला फेंक, लंबी कूद और एक मुख्य खेल की परीक्षा लेना अनिवार्य है।
18. जहाँ मैदान नहीं है वहाँ छोटी दौड़ (शटल रन), एक मिनट रस्सी कूद, बैलेन्स (सेकेंड में) शॉट अप, पुश अप आदि की परीक्षाएँ होनी चाहिए। अन्यथा कहीं पास के मैदान में उपरोक्त परीक्षाएँ ली जा सकती है।

भैया-बहनों के लिए आवश्यक निर्देश

1. अनुशासित, चरित्र संपन्न व योग्य नागरिक बनना।
2. व्यायाम भोजन की तरह आवश्यक है- यह ज्ञान प्रतिपादित करना।
3. सामूहिकता एवं सेवा भाव के गुणों का विकास करना।
4. आचार्य द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करना।
5. कोई भी नयी क्रियाएँ आचार्य की देख-रेख में करना व बताये गये कार्यों का विकास करना।
6. नेतृत्व गुणों का विकास करना।
7. विभिन्न अंतर्निहित क्षमताओं व कौशल का विकास करना।
8. इच्छा शक्ति का विकास करना।
9. मार्च पी॰टी॰की व्यवस्था समयानुसार होनी चाहिए।
10. भैया-बहन कक्षा-कक्ष से संचलन करते हुए अपने मैदान में निश्चित जगह पर पहुँचे। आचार्य उनके साथ रहें।

शारीरिक शिक्षा का उद्देश्य

1. शारीरिक क्षमता का विकास करना।
2. कौशल्य का विकास करना।
3. स्नायु एवं मज्जा तंत्र का समन्वय एवं विकास।
4. मनोरंजन का विकास।
5. खाली समय का सदुपयोग।
6. इच्छा शक्ति का विकास।
7. राष्ट्रीय भावना का विकास।
8. नेतृत्व गुणों का विकास।
9. सामाजिक एवं चारित्रिक विकास।
10. 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्' इस भाव का बोध कराना। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है।
11. विभिन्न संवेगों को उचित दिशा देना।
12. सुगठित शरीर का निर्माण करना।
13. स्वस्थ शरीर हेतु पौष्टिक आहार का उपयोग।

14. स्पर्धात्मक गुणों का विकास।
15. बच्चों को स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देना।
16. व्यक्तिगत एवं वातावरण स्वच्छता की जानकारी।
17. शरीर की सुयोग्य स्थिति व हलचल के विषय में जानकारी।

स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा

1. नैसर्गिक हलचल (उन्मुक्त क्रिया)-

1. **चलना** - टेढ़े-मेढ़े चलना, दोनों पैरों के बल चलना, रेखा पर चलना, आगे-पीछे चलना, दायें चलना, बायें चलना, एड़ी के बल चलना।
2. **दौड़ना** - टेढ़े-मेढ़े सर्प गति की तरह दौड़ना, सीधी रेखा पर दौड़ना, मंडल में दौड़ना।
3. **कूदना** - एक पैर पर कूदते हुए दौड़ना, दाये कूदना, बायें कूदना, आगे कूदना, पीछे कूदना।
4. **चढ़ना** - गाँठ बांधकर रस्सी पर चढ़ना, रस्सी की सीढ़ी बनाकर चढ़ना।
5. **उठाना** - आगे झुककर वजन उठाना और रखना।
6. **पुनरावृत्ति** - गत कक्षा की पुनरावृत्ति करना।
7. **घुमाना** - गर्दन बायें से दायें एवं दायें से बायें घुमाना, कमर घुमाना, हाथ घुमाना, पैर घुमाना।
8. **समता** - दक्ष, आरम्, दक्षिण वृत्त, वाम वृत्त, अर्द्ध वृत्त।

2. खेल

1. **बोली** - बतख, भालू, ताँगे की आवाज, रेलगाड़ी की आवाज, कोयल की आवाज।
2. **कथा खेल** - दो बिल्ली-बंदर की कहानी, मेले की सैर।
3. **छोटे खेल** - सर्प नेवला, आँख बंद करके छूना, कुक्कुट युद्ध, बिल्ली चूहा, मेमना व भेड़िया, नमस्ते जी, गेंद पकड़ो (अपने खेल-पुस्तिका)
4. **एथेलटिक्स** - 50 मीटर की दौड़

3. स्वास्थ्य शिक्षा

1. स्वच्छता हेतु बच्चों को जानकारी देना, जैसे- दाँत, हाथ, आँख, नाक, नाखून, त्वचा, स्नान, बाल आदि।

2. आहार संबंधी जानकारी- भोजन में हरी सब्जी का प्रयोग। दूध, फल आदि। बाहरी एवं तेलमय भोजन न करना। खुले भोजन का उपयोग न करना।
3. स्वच्छ वेश पहनना व कक्षा-कक्ष को स्वच्छ रखना।
4. देश के संदर्भ में सावधानी।
5. भोजन संबंधी जानकारी- क्या, कितना, कम खायें।
6. नींद, आराम, व्यायाम तथा अन्य स्वास्थ्यदायक बातें।
7. कागज के छोटे-छोटे टुकड़े एवं अनुपयोगी सामान खेल के मैदान में एवं विद्यालय के अंदर नहीं फेंकना।
8. सही उठने, बैठने व चलने के तरीके सीखना।

योग शिक्षा

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल

सिद्धान्त : अनुशासन की जानकारी देना, अनुशासन का एकाग्रता से संबंध बताना।

आसन : शवासन, सूर्य नमस्कार के तीन आसनों की स्थितियाँ (प्रणामासन, हस्तोत्तानासन, पादहस्तासन) को पूर्ण सिद्ध करना।

ध्यान : ॐ मंत्र का उच्चारण (20 से 25 सेकेंड)।

मई+जून

शुद्धि क्रिया : कुल्ला

आसन : वज्रासन, उष्ट्रासन, सूर्य नमस्कार के पाँच आसनों की स्थितियाँ का अभ्यास करना (क्रमशः अश्वसंचालन, पर्वतासन)

ध्यान : ॐ मंत्र की लंबाई (समय) बढ़ाना।

जुलाई

आसन : सूर्य नमस्कार की सात स्थितियों का अभ्यास करना (क्रमशः अष्टांग नमस्कार, भुजंगासन)

प्राणायाम : शीतली प्राणायाम का 10 चक्र अभ्यास।

कर्मयोग : बाँटकर खाना।

अगस्त

आसन : सूर्य नमस्कार की सातों स्थितियों का पूर्णतः अभ्यास करना।

प्राणायाम : भस्त्रिका का अभ्यास।
ध्यान : चित्र ध्यान।

सितंबर

आसन : सूर्य नमस्कार की 12 स्थितियों का एक बार अभ्यास।
प्राणायाम : भ्रामरी का अभ्यास।
ध्यान : बाह्य ध्वनियों पर ध्यान।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा हेतु सभी कार्यों का पुनराभ्यास कराना।

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर

शुद्धि क्रिया : नाक की सफाई।
आसन : पूर्व माह के अभ्यास-शवासन, बज्रासन तथा उष्ट्रासन
प्राणायाम : भ्रामरी (गुंजन को सुनना)

नवंबर

आसन : सूर्य नमस्कार का मंत्रों के साथ अभ्यास।
प्राणायाम : भस्त्रिका का पुनराभ्यास।
कर्मयोग : गाय को रोटी देना।

दिसंबर

शुद्धि क्रिया : दन्तधौति, जिह्वा धौति।
आसन : सीधे बैठने का अभ्यास - पूर्वाभ्यास।
कर्मयोग : चींटी को आटा और मीठा देना, चिड़ियों को दाना देना।

जनवरी

आसन : श्वाँस के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास।
प्राणायाम : भ्रामरी, भस्त्रिका।
मुद्रा ज्ञान : नमस्कार मुद्रा, ज्ञान मुद्रा।

फरवरी+मार्च

आसन : सभी आसनों का पुनराभ्यास।
प्राणायाम : सभी प्राणायामों का पुनराभ्यास।

यौगिक खेल : ॐ मंत्र की लंबाई से संबंधित।

सभी कार्यों का पुनराभ्यास कराना।

संगीत

सामान्य निर्देश

संगीत हमारी भारतीय संस्कृति की धरोहर है। वेदों में भी इसकी चर्चा की गयी है। सामवेद में संगीत की विद्या दर्शायी गयी है। मीरा, तुलसी, सूर, कबीर नानक इत्यादि भक्त कवियों ने संगीत के माध्यम से ईश्वर को प्राप्त किया। अत: हम संगीत की विद्या से अछूते न रह जायें ऐसा हम सभी भैया-बहनों एवं आचार्यों को इस विद्या को प्राप्त करने का सतत प्रयास करना चाहिए।

माता-पिता की भूमिका - संगीत विद्या भारती का आधारभूत विषय है। इसके अभ्यास से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। आज समाज में संगीत का महत्त्व तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। दूरदर्शन, रेडियो इत्यादि क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये जा रहे हैं। जिससे बच्चों में आत्मविश्वास के साथ-साथ आर्थिक लाभ एवं स्वरोजगार के समुचित अवसर प्राप्त होते हैं।

अत: हम अभिभावकों को भी यह प्रेरणा लेनी चाहिए कि हमारे बच्चों में अगर संगीत विद्या का अंकुरण हुआ है तो यह कैसे पुष्पित और पल्लवित हो ऐसा ध्यान रखकर समयानुसार नित्य अभ्यास कराने में सहयोग दें।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

अप्रैल भैया-बहनों को छोटे-छोटे गीतों का अभिनय के साथ अभ्यास कराना (भजन- गणेश वंदन, नाचे भोले नाथ)।

मई+जून 1. सरगम का मौखिक अभ्यास
सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां
सां, नि, ध, प, म, ग, रे, सा

2. अलंकार क्र॰ 1 एवं 2 का मौखिक अभ्यास–

कक्षा : द्वितीय

जैसे- (क) आरोह - सासा, रेरे, गग, मम, पप, धध, निनि, सांसां
अवरोह- सांसां, निनि, धध, पप, मम, गग, रेरे, सासा
(ख) आरोह - साग, रेम, गप, मध, पनि, धसां
अवरोह- सांध, निप, धम, पग, मरे, गसा

जुलाई 1. अभिनय के साथ भैया-बहनों को गीत का अभ्यास। जैसे- रेलगाड़ी, आकार ज्ञान।
2. आरोह एवं अवरोह का अर्थ।

अगस्त 1. संगीत संबंधी वाद्य यंत्रों का परिचय।
2. सरगम का वाद्य यंत्रों पर अभ्यास कराना।
3. अलंकार क्र०-1 एवं 2 का वाद्य यंत्रों पर अभ्यास कराना।

सितंबर ***सभी कार्यों का मौखिक एवं वाद्य यंत्रों पर अभ्यास कराना।***

वार्षिक परीक्षा

अक्टूबर संगीत की परिभाषा तथा सप्तकों का परिचय।

नवंबर मंद्र, मध्य एवं तार सप्तकों के स्वरों की पहचान।

दिसंबर 1. अलंकार क्र० पाँच एवं छः का अभ्यास-
2. अलंकार क्र० तीन एवं चार का अभ्यास-
(क) आरोह- सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनिसां
अवरोह-सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा
(ख) आरोह- सारेगम, रेगमप, गमपध, मपधनि, पधनिसां
अवरोह-सांनिधप, निधपम, धपमग, पमगरे, मगरेसा

जनवरी हाथ पर ताली देकर मात्रा गिनने का अभ्यास।

फरवरी+मार्च ***सभी कार्यों का मौखिक एवं वाद्य यंत्रों पर अभ्यास कराना।***

❏❏❏

विद्या भारती द्वारा निर्धारित वार्षिक गीत-2025-26

प्राथमिक कक्षाओं हेतु

भारत माँ के चरण-कमल की,
हम [illegible] सी धूल हैं ।
अलग-[illegible] है रूप-रंग और,
[illegible] के फूल हैं ।।

1. [illegible] का आदर उर में,
[illegible] समर्पण है ।
[illegible] देवो भव सा वन्दन,
[illegible] का अर्पण है ।।
[illegible]-छोटे बच्चे है रूप-रंग हम,
हिमगिरि के समतुल्य हैं।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं ।।

2. देश धर्म की रक्षा के हित,
हँसकर हम लड़ जायेंगे।
गुरुगोविन्द के बच्चे बनकर,
चाहे हम मिट जायेंगे।।
भारत की जयकार करेंगे,
चाहे जितने शूल हैं ।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं ।।

3. मिलजुल कर सब काम करेंगे,
संगठन की रीति यही।
ऊँच-नीच का भेद मिटाएं,
समरसता की नीति यही।।
सकल विश्व में नाम करेंगे,
भारत भू के मूल हैं।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं।।

भारत माँ के चरण-कमल की,
हम नन्हीं सी धूल हैं।
अलग-अलग है रूप-रंग और,
भाषाओं के फूल हैं।।

माध्यमिक कक्षाओं हेतु

समरसता मान बिन्दु
यह भारत देश महान है।
कोई छोटा-बड़ा नहीं है
सब जन एक समान है ।।

1. हिल मिल कर हम सब रहते हैं,
कुटुम्ब की भावना ।
सबकी जय हो प्रगति हो सबकी,
रखते हैं यह कामना ।
जन जन का उत्थान हो बस अब,
यही एक अभियान है ।
कोई छोटा-बड़ा नहीं हैं,
सब जन एक समान हैं ।।

2. सभी स्वस्थ हों सभी निरोगी,
सबका यह शुभ चिन्तन हो ।
हरित भूमि हो शस्य श्यामला,
धरा का सुन्दर कण-कण हो ।।
पर्यावरण व्यवस्थित हो अब,
देना इस पर ध्यान है।
कोई छोटा-बड़ा नहीं हैं,
सब जन एक समान हैं ।।

3. बोध हो 'स्व' का बनें स्वदेशी,
गाँव-गाँव उद्योग बढ़े।
निज कर्तव्यों को समझें और
राष्ट्रधर्म के मूल्य गढ़ें ।।
भारत है सिरमौर जगत में,
गूँजे यह फिर गान है ।
कोई छोटा-बड़ा नहीं हैं,
सब जन एक समान हैं ।।

हमारा लक्ष्य

हमारा लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है जिसके द्वारा हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत तथा शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित युवा पीढ़ी का निर्माण हो, जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके और जिसका जीवन नगरों, ग्रामों, वनों, गिरिकन्दराओं एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में निवास करने वाले वंचित और अभावग्रस्त अपने बांधवों को सामाजिक कुरीतियों एवं अन्याय से मुक्त कराकर राष्ट्रजीवन को सुसंस्कृत, समरस तथा सुसम्पन्न बनाते हुए 'वसुधैवकुटुम्बकम्' के भाव से प्रेरित होकर विश्वकल्याण के लिये समर्पित हो ।

–विद्या भारती